Class X - Hindi

Sparsh

हबीब तनवीर — कारतूस

CBSE NOTES

हबीब तनवीर — कारतूस - Mastery Worksheet

Strengthen your foundation with key concepts and basic applications.

edzy

Personal AI Tutor for CBSE Classes 6-12 & NCERT Help

edzy is a personal AI tutor for CBSE and State Board students, with curriculum-aligned guidance, practice, revision, and study plans that adapt to each learner.

Mastery Questions

edzy

Solve the following questions. Write your answers in the space provided.

1. हबीब तनवीर के जीवन और उनके योगदान पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

Hint: उनके जीवन के प्रमुख घटनाक्रमों और उनके नाटकों के विषयों पर ध्यान दें।

2. 'कारतूस' नाटक के मुख्य पात्रों की चरित्र-चित्रण कीजिए।

Hint: प्रत्येक पात्र के व्यक्तित्व और उनके कार्यों पर ध्यान दें।

Download Edzy App

Solve the following questions. Write your answers in the space provided.

3. 'कारतूस' नाटक का सारांश लिखिए।

Hint: नाटक के प्रमुख घटनाक्रमों और उनके परिणामों पर ध्यान दें।

4. 'कारतूस' नाटक के मुख्य विषयों पर चर्चा कीजिए।

Hint: नाटक में प्रस्तुत समस्याओं और उनके समाधानों पर ध्यान दें।

Download Edzy App

Solve the following questions. Write your answers in the space provided.

5. हबीब तनवीर के नाटकों की विशेषताएं लिखिए।

Hint: उनके नाटकों की भाषा, शैली और विषयों पर ध्यान दें।

6. 'कारतूस' नाटक में प्रयुक्त भाषा और शैली पर टिप्पणी कीजिए।

Hint: भाषा की सरलता और शैली के यथार्थवादी पहलुओं पर ध्यान दें।

Solve the following questions. Write your answers in the space provided.

7. हबीब तनवीर के नाटकों में लोक संस्कृति के प्रयोग पर एक निबंध लिखिए।

Hint: लोक संस्कृति के विभिन्न पहलुओं और उनके नाटकों में प्रयोग पर ध्यान दें।

8. 'कारतूस' नाटक का सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

Hint: नाटक के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सामाजिक संदर्भ पर ध्यान दें।

Download Edzy App

Solve the following questions. Write your answers in the space provided.

9. हबीब तनवीर के नाटकों में स्त्री पात्रों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

Hint: स्त्री पात्रों के चरित्र और उनकी भूमिकाओं पर ध्यान दें।

10. 'कारतूस' नाटक के अंत का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Hint: नाटक के अंत के संदेश और उसके प्रभाव पर ध्यान दें।

Download Edzy App

Answers

Check your answers with the solutions below.

1. हबीब तनवीर के जीवन और उनके योगदान पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

Solution: हबीब तनवीर का जन्म 1923 में रायपुर में हुआ था। उन्होंने नाटक लेखन, निर्देशन और अभिनय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने 'नया थियेटर' की स्थापना की और लोकनाट्य को नई दिशा दी। उनके प्रमुख नाटकों में 'आगरा बाजार', 'चरणदास चोर', और 'मिट्टी की गाड़ी' शामिल हैं।

2. 'कारतूस' नाटक के मुख्य पात्रों की चरित्र-चित्रण कीजिए।

Solution: 'कारतूस' नाटक के मुख्य पात्रों में दुर्जन सिंह, लेफ्टिनेंट और सिपाही शामिल हैं। दुर्जन सिंह एक बहादुर और चतुर सिपाही है जो अंग्रेजों के खिलाफ लड़ता है। लेफ्टिनेंट एक अंग्रेज अधिकारी है जो भारतीयों के प्रति नफरत भाव रखता है। सिपाही एक साधारण सैनिक है जो अपने कर्तव्य का पालन करता है।

3. 'कारतूस' नाटक का सारांश लिखिए।

Solution: 'कारतूस' नाटक में दुर्जन सिंह नामक एक सिपाही की कहानी है जो अंग्रेजों के खिलाफ लड़ता है। वह एक गोली चलाकर अंग्रेज अधिकारी को मार देता है और फिर भाग जाता है। अंग्रेज सिपाही उसे पकड़ने की कोशिश करते हैं लेकिन वह उन्हें चकमा दे देता है। नाटक का अंत दुर्जन सिंह की बहादुरी और चतुराई पर होता है।

4. 'कारतूस' नाटक के मुख्य विषयों पर चर्चा कीजिए।

Solution: 'कारतूस' नाटक के मुख्य विषयों में स्वतंत्रता संग्राम, बहादुरी, चतुराई और अंग्रेजों के अत्याचार शामिल हैं। नाटक में दिखाया गया है कि कैसे एक साधारण सिपाही अंग्रेजों के खिलाफ लड़ता है और उन्हें चकमा देता है।

5. हबीब तनवीर के नाटकों की विशेषताएं लिखिए।

Solution: हबीब तनवीर के नाटकों की विशेषताओं में लोक संस्कृति का प्रयोग, सामाजिक समस्याओं का चित्रण, और सरल भाषा शामिल हैं। उन्होंने अपने नाटकों में ग्रामीण जीवन और उनकी समस्याओं को उजागर किया है।

Download Edzy App

Answers

Check your answers with the solutions below.

6. 'कारतूस' नाटक में प्रयुक्त भाषा और शैली पर टिप्पणी कीजिए।

Solution: 'कारतूस' नाटक में सरल और सहज हिंदी भाषा का प्रयोग किया गया है। नाटक की शैली यथार्थवादी है जिसमें वास्तविक जीवन की घटनाओं को दिखाया गया है।

7. हबीब तनवीर के नाटकों में लोक संस्कृति के प्रयोग पर एक निबंध लिखिए।

Solution: हबीब तनवीर ने अपने नाटकों में लोक संस्कृति का व्यापक प्रयोग किया है। उन्होंने लोक गीतों, नृत्यों और कथाओं को अपने नाटकों में शामिल किया है। इससे उनके नाटकों को एक विशेष पहचान मिली है।

8. 'कारतूस' नाटक का सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

Solution: 'कारतूस' नाटक का सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भ में विश्लेषण करने पर पता चलता है कि यह नाटक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान की घटनाओं को दर्शाता है। नाटक में अंग्रेजों के अत्याचार और भारतीयों के संघर्ष को दिखाया गया है।

9. हबीब तनवीर के नाटकों में स्त्री पात्रों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

Solution: हबीब तनवीर के नाटकों में स्त्री पात्रों को महत्वपूर्ण भूमिकाएं दी गई हैं। उनके नाटकों में स्त्रियों को सशक्त और स्वतंत्र दिखाया गया है जो समाज की चुनौतियों का सामना करती हैं।

10. 'कारतूस' नाटक के अंत का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Solution: 'कारतूस' नाटक का अंत दुर्जन सिंह की बहादुरी और चतुराई पर होता है। यह अंत दर्शकों को एक संदेश देता है कि छोटे से छोटा व्यक्ति भी बड़े से बड़े शत्रु को हरा सकता है।

Download Edzy App

Study smart, not hard - with Edzy!

For Students

- Practice past papers to get exam-ready
- Study with a timer to stay focused
- Revise regularly to build long-term memory

For Teachers

- Use Edzy to share quizzes instantly with students
- Save time with ready-made teaching aids
- Simplify test prep with structured resources

> **Before You Sleep:**
> Quickly review important notes - it helps memory consolidation.

Download Edzy App

Discover why we're called India's largest learning platform.

Download on the App Store

GET IT ON Google Play

edzy

Personal AI Tutor for CBSE Classes 6-12 & NCERT Help

edzy is a personal AI tutor for CBSE and State Board students, with curriculum-aligned guidance, practice, revision, and study plans that adapt to each learner.